

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 04 फरवरी, 2022

वशिव कैंसर दविस

वशिव के लोगों को कैंसर के खिलाफ लड़ाई लड़ने में एकजुट करने के लिये प्रत्येक वर्ष 4 फरवरी को 'वशिव कैंसर दविस' मनाया जाता है। यह एक वैश्विक कार्यक्रम है। वशिव कैंसर दविस का उद्देश्य दुनिया भर में सरकारों और व्यक्तियों को इस बीमारी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिये जागरूक बनाकर कैंसर से होने वाली मौतों को कम करना है। यह अंतरराष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ (UICC) की एक पहल है। इस दविस की शुरुआत 4 फरवरी, 2000 को पेरिस में 'वर्ल्ड समिट अगेंस्ट कैंसर फॉर न्यू मिलेनियम' के दौरान हुई थी। ध्यातव्य है कि पेरिस चार्टर का उद्देश्य कैंसर को रोकना, अनुसंधान को बढ़ावा देना, रोगी देखभाल सेवाओं में सुधार, जागरूकता बढ़ाना, वैश्विक समुदाय को कैंसर की रोकथाम के लिये संगठित करना है। वर्ष 2022 में 22वाँ वशिव कैंसर दविस मनाया जा रहा है। वशिव स्वास्थ्य संगठन के आँकड़ों की मानें तो प्रत्येक 10 में से 1 भारतीय अपने जीवनकाल में कैंसर के कारण प्रभावित होता है तथा भारत में प्रत्येक 15 कैंसर रोगियों में से 1 की मृत्यु हो जाती है। गौरतलब है कि कैंसर एक मल्टीस्टेज प्रक्रिया है जिसमें सामान्य कोशिकाएँ ट्यूमर कोशिकाओं में परिवर्तित हो जाती हैं।

आईसीसी स्परिटि ऑफ क्रिकेट अवार्ड

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज़ डेरलि मशैल को 'आईसीसी स्परिटि ऑफ क्रिकेट अवार्ड' से सम्मानित किये जाने की घोषणा की गई है। डेनयिल वटोरी, ब्रेंडन मैकुलम और केन वलियिमसन के बाद डेरलि मशैल अब यह पुरस्कार जीतने वाले न्यूजीलैंड के चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। बीते वर्ष पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सहि धोनी को 'ICC स्परिटि ऑफ द क्रिकेट अवार्ड ऑफ द डेकेड' के रूप में नामित किया गया है। यह पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा किसी एक वशिष्ट टीम या किसी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को 'खेल की भावना को कायम रखने' हेतु प्रदान किया जाता है।

वायु सेना में महिला पायलटों की स्थायी भरती

भारतीय वायु सेना (IAF) में प्रायोगिक आधार पर महिला पायलटों की भरती के छह वर्ष बाद 'रक्षा मंत्रालय' (MoD) ने अब इस प्रक्रिया को स्थायी रूप देने का निर्णय लिया है। अब तक अस्थायी योजना के आधार पर केवल 16 महिला लड़ाकू पायलटों को ही भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने अब इसे स्थायी योजना बनाने की मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2015 में महिलाओं को लड़ाकू पायलटों के रूप में वायु सेना में शामिल होने की अनुमति दी थी, लेकिन 'फ्लाइट ब्रांच की फाइटर स्ट्रीम में महिला एसएससी अधिकारियों को शामिल करने' की योजना वर्ष 2016 में शुरू हुई थी। गौरतलब है कि बीते दिनों राफेल लड़ाकू विमान की भारत की पहली महिला पायलट फ्लाइट लेफ्टनैंट शविंगी सहि ने गणतंत्र दविस परेड में हसिसा लिया था। वह गणतंत्र दविस परेड का हसिसा बनने वाली दूसरी महिला फाइटर पायलट है, इससे पूर्व फ्लाइट लेफ्टनैंट भावना कंठ ने वर्ष 2021 में परेड में हसिसा लिया था।

स्टेच्यू ऑफ इक्वल्टी

प्रधानमंत्री जलद ही 216 फीट ऊँची 'स्टेच्यू ऑफ इक्वल्टी' देश को समर्पित करेंगे, जो 11वीं शताब्दी के भक्तिसंत श्री रामानुजाचार्य की याद में बनाई गई है, जिन्होंने जाति एवं पंथ सहित जीवन के सभी पहलुओं में समानता के विचार को बढ़ावा दिया था। उनका जन्म वर्ष 1017 में तमलिनाडु के श्रीपेरूमबुदूर गाँव में हुआ था। रामानुजाचार्य जयंती की तिथि तमिल सौर कैलेंडर के आधार पर तय की जाती है। वह एक महान धर्मशास्त्री थे, जिन्होंने सार्वभौमिक भाईचारे का संदेश दिया। रामानुजाचार्य, वेदांत और वैष्णववाद दर्शन के महान समर्थक थे। संत रामानुजाचार्य ने तथाकथित अछूतों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न करने की बात करते हुए कहा कि वशिव के रचयिता ने कभी भी किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया। श्री रामानुजाचार्य ने ऐसा सदिधांत प्रतिपादित किया जिसमें जन्म या जाति के बजाय व्यक्तिके आध्यात्मिक ज्ञान के आधार पर सम्मान दिया जाता है। उन्होंने वेदों के गोपनीय और सर्वोत्कृष्ट ज्ञान को आम लोगों तक पहुँचाया। श्री रामानुजाचार्य महान दार्शनिक, संत, चितिक, समाज सुधारक और वेदांत की वशिष्टाद्वैत धारा के मुख्य उद्घोषक थे।